



SHRI MANOHAR GOPALKRISHNA PRABHU PARRIKAR (POSTHUMOUS)

Shri Manohar Gopalkrishna Prabhu Parrikar was an eminent politician. He served as Chief Minister of Goa four times, (1998 – 2000; 2000 to 2004; 2012 to 2014 and 2017 to 2019) and the Defense Minister of India (2014 to 2017). He is widely recognized across the world for his role as the creator of Modern Goa with empathy towards ecology, culture and education.

2. Born on 13th December, 1955, Shri Parrikar obtained Bachelor of Engineering degree from Indian Institute of Technology, Bombay in 1976 in Metallurgical Engineering, after a very brief stint in the industry, he started his own business in hydraulics in Goa.

3. Shri Parrikar joined active politics and his political career started in 1994 when he became an MLA in the Assembly of Goa as a member of BJP. From June to November 1999, he was a leader of opposition. On 24 October, 2000 for the first time he became the Chief Minister of Goa but his tenure lasted only until 27 February, 2002. On 5 June, 2002, he was re-elected as a Chief Minister of Goa. He was again sworn in as Goa Chief Minister in March 2012 and remain until November, 2014. Then, he moved to Delhi as Prime Minister Narendra Modi named him as the Defence Minister of India. In March 2017, he resigned as the Union Defence Minister and was sworn in as the Chief Minister of Goa once again.

4. A formidable leader Shri Parrikar spearheaded the moderniastion of Indian armed forces, ably led strikes in enemy territory and as a Chief Minister he balanced the ecological needs of his home state Goa with modern infrastructure and development priorities. As IIT alumni, he spearheaded how IIT alumni should give back to society in general and his alma mater in particular. Above all he was a humanist who celebrated the multi-cultural legacy of Goa.

5. Shri Parrikar passed away on 17th March, 2019.





श्री मनोहर गोपालकृष्ण प्रभु पार्रिकर (मरणोपरांत)

श्री मनोहर गोपालकृष्ण प्रभु पार्रिकर एक प्रमुख भारतीय राजनीतिक थे। उन्होंने चार बार (1998 से 2000; 2000 से 2004; 2012 से 2014 और 2017 से 2019) गोवा के मुख्यमंत्री और भारत के रक्षा मंत्री (2014 से 2017) के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कीं। श्री पार्रिकर को पूरे विश्व में पारिस्थितिकी, संस्कृति और शिक्षा के प्रति उनकी संवेदनशीलता और आधुनिक गोवा के निर्माता के रूप में उनकी भूमिकाएं देने के लिए आदर के साथ याद किया जाता है।

2. श्री पार्रिकर का जन्म 13 दिसंबर, 1955 को हुआ था। उन्होंने 1976 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे से मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की, और कुछ समय के लिए उद्योग जगत में काम करने के बाद, उन्होंने गोवा में हायड्रोलिक्स का अपना व्यवसाय शुरू किया।

3. श्री पार्रिकर सक्रिय राजनीति में आ गए और उनके राजनीतिक जीवन की शुरूआत वर्ष 1994 में उस समय हुई, जब वह भाजपा के सदस्य के रूप में गोवा विधानसभा में विधायक बने। जून से नवंबर 1999 तक, वह नेता प्रतिपक्ष रहे। 24 अक्टूबर, 2000 को वह पहली बार गोवा के मुख्यमंत्री बने, लेकिन उनका कार्यकाल केवल 27 फरवरी, 2002 तक रहा। 5 जून, 2002 को उन्हें फिर से गोवा का मुख्यमंत्री चुना गया। उन्हें मार्च 2012 में फिर से गोवा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई और वह नवंबर, 2014 तक इस पद पर आसीन रहे। इसके बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उन्हें भारत का रक्षा मंत्री बनाए जाने के बाद, वे दिल्ली आ गए। मार्च 2017 में, उन्होंने केंद्रीय रक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया और एक बार फिर गोवा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

4. श्री पार्रिकर एक ऐसे प्रभावशाली नेता थे जिन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण की पहल की, दुश्मन के इलाके में स्ट्राइक करने का कुशल नेतृत्व किया और मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने आधुनिक अवसंरचना और विकास प्राथमिकताओं के साथ अपने गृह राज्य गोवा की पारिस्थितिक आवश्यकताओं को भी संतुलित रखा। आईआईटी के पूर्व छात्र के रूप में, उन्होंने इस दिशा में पथ–प्रदर्शन किया कि कैसे आईआईटी के पूर्व छात्र सामान्य रूप से समाज के हित में और विशेष रूप से विशेषज्ञता के क्षेत्र काम कर सकते हैं। इन सभी बातों से भी बढ़कर, वह एक मानवतावादी थे जिन्होंने गोवा की बहु–सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा दिया।

5. दिनांक 17 मार्च, 2019 को श्री पार्रिकर का देहावसान हो गया।